and its overall impact on the export of Indian goods to US; and

(c) what is Government's reaction thereto?

THE MINISTER OF COMMERCE (SHRI PRANAB MUKHERJEE): (a) No, Sir.

(b) and (c) Do not arise.

Import of superior coal

*104. SHRI SANJAY DALMIA: Will the Minister of COAL be pleased to refer to the answer to Unstarred Questions 4278, 5271, and 6242 given in the Rajya Sabha on 25th April, 1994, 2nd May, 1994 and 9th May, 1994 respectively,, and state:

(a) what was the total quantity of 'A' grade coal imported last year;

(b) whether it is possible to manufacture it indigenously; and

(c) if so, what steps Government are taken in this regard?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COAL (SHRI AJIT KUMAR PANJA): (a) The Directorate General of Foreign Trade have reported that they do not maintain grade-wise data on imports of coal. However, total quantity of various type of coal imported in the country during the year 1993-94 is as under:

(Data provisional)

Non-cooking coal—0.57 million tonnes

(including coke

semi coke, etc.)

Coking coal — 6.82 million tonnes

(b) and (c) Production of 'A' grade non-coking coal in the country has been gradually going up. In order to accelerate production of superior grades of non coking coal, including 'A' grade coal, special efforts are being made for increasing underground production by introduction of modern mining technology, mechanisation and improving power supply to the mines.

बाल मजदूरों द्वारा बनाई गई वस्तुओं का निर्यात

*105. **श्री सत्य प्रकाश मालवीय :**
श्री अनन्तराम जायसवाल :

क्या **वाणिज्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि बाल मजदूरों द्वारा बनाई गई वस्तुओं का निर्यात किया जाता है और यदि हां, तो बाल मजदूरों द्वारा निर्मित वस्तुओं का ब्यौरा क्या है जिनका पिछले तीन वर्षों के दौरान निर्यात किया गया है;

(ख) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर यह मांग की गई है कि भारत तथा अन्य विकासशील देशों के बाल मजदूरों द्वारा बनाई गई वस्तुओं के निर्यात पर प्रतिबंध लगाया जाये ; और

(ग) यदि हां, तो क्या सरकार इस मांग से सहमत है और यदि हां, तो सरकार ने इस संबंध में अब तक क्या कार्यवाही की है अथवा करने का विचार रखती है और क्या सरकार प्रस्तावित उपायों को पूर्ण रूप से अथवा आंशिक रूप से लागू करने का विचार रखती है ?

वाणिज्य मंत्री (श्री प्रणब मुखर्जी) : (क) से (ग) भारत में औद्योगिक क्षेत्र में जिन उद्योगों में बाल-श्रमिक मुख्य रूप से लगे हुए हैं, वे हैं कालीन-बुनाई रत्नों पर पालिश, पॉटरी, माचिस बनाना, ताला बनाना, तथा पीतल के सामान से संबंधित उद्योग । निर्यात में बाल श्रमिकों द्वारा उत्पादित माल के अंश के बारे में आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं ।

इस समय संयुक्त राज्य अमरीका की कांग्रेस में ऐसे दो विधेयक विचाराधीन हैं जिनमें पूरी तरह या अंशत: बाल-श्रमिकों द्वारा उत्पादित माल के संयुक्त राज्य अमरीका में आयात पर रोक लगाने की